

प्रेस नोट
63वां दीक्षांत समारोह भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
(दिनांक 22.03.2025)

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, जो कृषि के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान है और हरित क्रांति का अग्रदूत रहा है, अपने गुणवत्ता वाले अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार के माध्यम से कृषि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि को गति दे रहा है। भा.कृ.अनु.सं. ने दिनांक 22 मार्च, 2025 को नई दिल्ली के राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर के भारत रत्न सी. सुब्रह्मण्यम सभागार में अपना 63वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर कृषि और किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री, भारत सरकार, श्री शिवराज सिंह चौहान जी ने मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामययी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम में कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री भागीरथ चौधरी जी और श्री रामनाथ ठाकुर जी ने सम्मानित अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर श्री देवेन्द्र चतुर्वेदी, सचिव डेयर और महानिदेशक भा.कृ.अनु.प., डॉ. सी एच. श्रीनिवास राव, निदेशक, डॉ. अनुपमा सिंह, अधिष्ठाता एवं संयुक्त निदेशक (शिक्षा), डॉ. विश्वनाथन चिन्नुसामी, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) तथा डॉ. रवीन्द्रनाथ पडारिया, संयुक्त निदेशक (प्रसार) भा.कृ.अनु.सं. भी उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह के दौरान, कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री भागीरथ चौधरी जी और श्री रामनाथ ठाकुर जी ने 5 एम.एस.सी. छात्रों और 5 डॉक्टरेट डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को भा.कृ.अनु.सं. के मेरिट पदक प्रदान किए। इसके अलावा, उन्होंने श्री रुद्र गौदा, डॉक्टरल छात्र, कीट विज्ञान संभाग को भा.कृ.अनु.सं. सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कार (नाबार्ड)-2024 तथा सर्वश्रेष्ठ एम.एस.सी. छात्र पुरस्कार, एम.एस.सी. छात्रा, श्रीमती स्नेहा भारद्वाज, सस्य विज्ञान संभाग को प्रदान किया गया। इसके साथ ही, डॉ. एच.के. जैन मेमोरियल युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2024 डॉ. विकेश मुथुसामी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आनुवंशिकी संभाग को, 28वां हूकर पुरस्कार 2022-23 द्विवार्षिक वर्ष के लिए डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्रा, प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संभाग, भा.कृ.अनु.सं., नई दिल्ली को और चौथा नाबार्ड अनुसंधानकर्ता पुरस्कार 2024, डॉ. गिरीजेश सिंह महारा, वैज्ञानिक, कृषि प्रसार संभाग को प्रदान किए गए। इस दीक्षांत समारोह में कुल 399 छात्रों ने, जिनमें भारत और अन्य देशों के छात्र शामिल हैं, स्नातकोत्तर और डॉक्टरल डिग्रियां प्राप्त कीं।

इस अवसर पर, माननीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी ने गेहूं, मक्का, चना, मूंगफली, आम आदि के विभिन्न किस्मों को जारी किया। साथ ही उन्होंने भा.कृ.अनु.सं. के स्नातक विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट-2024, स्नातक विद्यालय शिक्षा पत्रिका, "कृषि अभियांत्रिकी में प्रगति खंड-1 (6वीं अधिष्ठाता समिति की सिफारिशों के अनुसार)" और "रैपिड सीड वायबिलिटी टेस्टिंग किट" नामक तीन प्रकाशित सामग्रियों का विमोचन किया।

अपने संबोधन में, स्नातकोत्तर और डॉक्टरल डिग्रियां प्राप्त करने वाले सभी छात्रों, शोध तथा अकादमिक में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिष्ठित संकाय को, श्री शिवराज सिंह चौहान जी ने हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भारत को कृषि के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर कृषि महाशक्ति बनाने में की भूमिका की सराहना की और कहा कि संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियां किसानों तक पहुंच रही हैं। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के लिए उद्यमिता विकास और स्टार्ट-अप पर जोर दिया। उन्होंने कृषि उपकरणों में नवाचार को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि भा.कृ.अनु.प. के वैज्ञानिक कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए कठिन परिश्रम कर रहे हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती और रासायनिक उर्वरकों के न्यूनतम उपयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

अपने संबोधन में डॉ. सी एच. श्रीनिवास राव, निदेशक, भा. कृ.अनु.सं. ने पूसा संस्थान द्वारा विकसित गेहूं की किस्मों के बारे में बताया जो लगभग 15 मिलियन हेक्टेयर में उगाई जाती हैं और देश के गेहूं भंडार में लगभग 60 मिलियन टन का योगदान करती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पूसा बासमती धान की किस्में कुल विदेशी मुद्रा का 90% योगदान करती हैं।

डॉ. अनुपमा सिंह, डीन एवं संयुक्त निदेशक (शिक्षा) ने बताया कि 2024-25 के शैक्षणिक वर्ष में 1027 छात्रों को प्रवेश मिला, जिनमें 377 स्नातक, 313 स्नातकोत्तर और 337 डॉक्टरल कार्यक्रम के छात्र शामिल हैं। दिनांक 28 जनवरी 2025 को भा.कृ.अनु.सं., असम के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ जब इस दिन भा.कृ.अनु.सं., असम में धांसरी रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स का वर्चुअल उद्घाटन किया गया।

भा.कृ.अनु.सं., ने वेस्टर्न सीडनी यूनिवर्सिटी के साथ एक डुअल डिग्री अंडरग्रेजुएट कार्यक्रम शुरू करने के लिए एक पत्र समझौता पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अतिरिक्त, यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के साथ एक संयुक्त डिग्री पीएचडी कार्यक्रम स्थापित करने की प्रक्रिया उन्नत चरण में है। दीक्षांत समारोह डॉ. अनुपमा सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुआ।

Press Note

63rd Convocation ICAR-Indian Agricultural Research Institute (IARI), New Delhi

Indian Agricultural Research Institute, a premier institute of agriculture, which heralded the Green Revolution, has continued to accelerate the growth in agricultural production and productivity through its quality research, education and extension. IARI organised its 63rd Convocation in the Bharat Ratna C. Subramaniam Hall of NASC complex, New Delhi on 22nd March 2025. For the Convocation of the Institute, Shri Shivraj Singh Chouhan, Hon'ble Union Minister of Agriculture and Farmers Welfare and Rural Development, Govt. of India graced the occasion as the chief guest of the function. The program was also attended by Shri Bhagirath Chaudhary Ji, Honorable Union Minister of State for Agriculture and Farmers Welfare and Shri Ram Nath Thakur Ji, Honorable Union Minister of State for Agriculture and Farmers Welfare as the guest of Honour during the event. Shri Devesh Chaturvedi, Secretary DARE and Director General, ICAR, Dr Ch. Srinivasa Rao, Director; Dr Anupama Singh, Dean and Joint Director (Education); Dr Viswanathan Chinnusamy, Joint Director (Research) and Dr Rabindranath Padaria, Joint Director (Extension) of ICAR-IARI. During the convocation, Union Minister of State for Agriculture and Farmers Welfare, Govt. of India, Shri Bhagirath Choudhary Ji and Shri Ramnath Thakur Ji awarded IARI merit medals to 5 M.Sc. students and 5 students receiving their doctoral degrees. He also awarded IARI Best Student Award (NABARD)-2024 to Mr Rudra Gouda, the doctoral student of Division of Entomology and Best M.Sc. student award to M.Sc. student, Ms. Sneha Bharadwaj, Division of Agronomy. He also presented Dr H.K. Jain Memorial Young scientist award to Dr Vignesh Muthusamy, Senior Scientist, Division of Genetics, for the year 2024, 28th Hooker Award for the biennium 2022-23 to Dr Gyan Prakash Mishra, Principal Scientist & Head, SST, IARI, New Delhi and 4th NABARD Researcher of the year 2024 to Dr Grijesh Singh Mahra, Scientist, Division of Agricultural Extension, IARI. In this convocation a total of 399 students, including those of India and of other countries, studied at IARI under international programmes, have received their Post Graduate and Doctoral degrees.

On this occasion, Hon'ble Union Minister of Agriculture and Farmers Welfare and Rural Development released different varieties of field and horticultural crops including wheat, maize, chickpea, mungbean, mango etc. He also released three publications including the Annual Report-2024 of The Graduate School, IARI, The Graduate School Siksha Magazine, a book on "Advances in Agricultural Engineering Vol-I (as per 6th Dean Committee) and "Rapid Seed Viability Testing Kit". In his address, Shri Shivraj Singh Chouhan Ji congratulated all the students who received the postgraduate and doctoral degrees and the esteemed faculty who received awards for their excellence in research and academics. He appreciated the role of IARI in providing technological advancements for the country's spectacular rise as agricultural powerhouse on global arena by securing several firsts in the production of many crops and livestock products and the presence of highly skilled, qualified and experienced human resources in agriculture. He appreciated that the technologies developed by IARI in lab are reaching to farmers. He emphasized on entrepreneurship development and starts ups for self-reliant India. He also mentioned that innovation in making agricultural implements should be taken up on larger scale. He mentioned that the Scientists of the ICAR are working hard for enhancing agricultural production to make India a food basket using technologies like hydroponics and vertical farms. He emphasised on natural farming and minimum use of chemical fertilisers. He expressed his confidence that digital India initiative will help Indian agricultural research system to serve the nation in incremental trajectory with innovations, quality human resource and technological adaptation. In his address, Dr Ch. Srinivasa Rao, Director, IARI informed all about the IARI wheat varieties such that are cultivated in nearly 15 million ha and contribute approximately 60 million tons of wheat to the Nation's granary. Currently, the Pusa Basmati rice varieties account for 90% of the total foreign exchange. IARI ensures availability of seeds to the farmers in a regular basis. The primary stakeholders of agriculture are the farmers and extension play the ultimate role for the success of any discovery or invention. The extension activities of IARI have been spread all over India through innovative extension programmes. All the varieties of IARI have produced significantly higher yield compared to the local varieties. He also

emphasized on climate resilient and biofortified varieties developed in cereals, fruits and vegetables by IARI, New Delhi.

Dr Anupama Singh, Dean and Joint Director (Education) informed that during the academic year 2024-25, a total of 1027 students were admitted, including 377 students for UG, 313 students for Masters and 337 students for doctoral programmes. January 28th, 2025 became a significant milestone in the history of IARI-Assam as on this auspicious day the Dhansiri Residential Complex at IARI Assam was virtually inaugurated by Dr Himanshu Pathak, Secretary, DARE and DG, ICAR in the presence of Dr Ch. Srinivasa Rao Hon'ble Director and Vice-Chancellor, ICAR-IARI. The 422nd Academic Council and BoM have approved the admission procedures for foreign students in IARI and its hubs. In the first phase, admissions will be opened for Doctoral students and subsequently will be extended to Master's and Undergraduate students, starting from academic year 2025-26. IARI has signed a Letter of Intent (LoI) with Western Sydney University (WSU) to start a Dual Degree undergraduate program which is being pursued. The process of establishing a Joint Degree Ph.D. program with the University of Western Australia is in the advanced stage of MoA finalization. The convocation ended with the formal vote of thanks by Dr Anupama Singh, Dean and Joint Director (Education).